



# VISION IAS

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2366)

Name of Candidate	ISHWAR LAL SURJAR		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	1295818
Center	Jaipur.	Date	24-Aug. 2024

INDEX TABLE		
Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

## INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).  
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH** इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**  
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.  
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.  
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.  
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.  
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2<sup>nd</sup> Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar  
Delhi- 110009

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

## खंड B / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) डिजिटल प्रभाव के प्रभुत्व वाले युग में कोई परिवार मूल नैतिक सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रसारित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the family effectively transmit core moral principles in an era dominated by digital influences? (Answer in 150 words) 10

यह दौर इंटरनेट का युग है। भारत की 75% आबादी डिजिटल और ऑनलाइन सेवाओं से जुड़ी है जैसे में सामाजिक नेटवर्किंग (परिवार समाज ग्रुप) पर मूल नैतिक सिद्धांतों के उसार में मोबाइल और इंटरनेट की महत्वपूर्ण भूमिका -  
जैसे - बच्चों को स्मार्ट फोन में ऑनलाइन म्यूजिक टीचर द्वारा संगीत की शिक्षा

परिवार की मूल नैतिक सिद्धांतों के उसार में भूमिका और डिजिटल प्रभाव -

1.7 परिवार बच्चों के लिए प्रथम स्कूल होता है। यह प्रथम सामाजिक नेटवर्किंग का स्टेज है।

2.7 माता-पिता से अर्थव्यवस्था, त्याग, प्रसन्नता, सहयोग, अनुशासन जैसे मूल्य सीखता है।

3.7 माँ को उष्म रिक्त ब्रह्म जाता है।

4.7 परिवार गैल मॉडल, भूमिका निर्वाह, दुष्क व पुरस्कार से मूल्य सीखाता है।

डिजिटल उभाव

→ मानवीय संपर्क अमजोर दुमा  
धु- प्यर में सब अपेन भावार्थन में व्यस्त है

- डिजिटल उभाव में सोशल मीडिया का नकारात्मक उभाव  
धु- रीलस अल्पार

→ मानवीय रिश्ता में इरी  
धु- फेसबुक पर 5 हजार दोस्त घर पर रुक भी नहीं

\* पारम्परिक मूल्यों की वजाय तकनीकीकरण से उरठा पाठ्याय मूल्यों का उभाव  
धु- लिप इन रिश्ताशनशील

ऑनलाइन

→ नीतिक मूल्यों से उभाव से लिप ऑनलाइन संपर्क वजार रथना

धु- फेमिनि ग्रुप  
→ सैम्सुअलिटी व हिंसक अंटे से वपान के लिप पैरेंट लोक जीमा में डिजिटल अल: 2T Rules को फॉलो अते इर सइर इ पाइवैसी व नीतिक मूल्यों में समन्वय

1. (b) हालांकि अंतःकरण सामान्य तौर पर नैतिक निर्णय-निर्माण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है, लेकिन कभी-कभी इसकी सीमाएं भी होती हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
Though conscience generally serves as a crucial guide in ethical decision-making, it is sometimes fraught with limitations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

अन्तःप्राणिक विचारक - 'बटलर' के

अनुसार अन्तःकरण किसी व्यक्ति की वह आंतरिक आवाज़ होती है जो उसे सही काम हेतु प्रेरित करती है।

यु - चोरी करने से पहले हिचकिचाहट और अपराधबोध का भाव

अन्तःकरण नैतिक - निर्णय - निर्माण में सहायक →

1.7 जे. एस. मिल ने इसे आंतरिक आवाज़ माना जिसके कारण व्यक्ति नैतिक कार्य करता है।

यु - किसी को पीड़ा में देखकर स्वयं पीड़ा महसूस

2.7 यह नैतिकता का स्रोत है जो व्यक्ति को सही-गलत, उचित-अनुचित का अहसास कराता है।

3.7 नैतिक दुविधा के समाधान में मदद

यु - व्यक्तिगत हित बनाम सामंजस्य हित

47) विषय संकट के दौरान आंतरात्मा सही

विषय चुनने में मदद करती है।

यू- धृतराष्ट्र की समा में होपदी के  
- धीरदरुण के समय दुर्भागियों में  
धर्मसंकट की स्थिति

47) वर्तियों के निर्देशन; जन सेवा में मदद

यू- मोहम्मद शरीफ ने 25 हजार व्यक्तियों  
का अंतिम संस्कार किया

सीमांत

→ लोकिंग व वस्तुनिष्ठता का अभाव

→ आश्वासन की कमी के कारण  
आंतरात्मा हमेशा मार्गदर्शन नहीं

→ परिस्थितियों पर निर्भर करती है।

यू- व्यक्तिगत लाभ या असुरक्षा में  
निष्पत्तवादी रहती है।

→ यह पूर्वाग्रह, भ्रमभाव, पड़ापात का कारण  
बन सकती है।

अतः महात्मा गांधी ने कहा है कि -

"आंतरात्मा की अदालत दुनिया की सभी  
अदालतों से ऊपर है। व्यक्ति को इसका  
आश्वासन करना चाहिए।"

2. (a) सार्वजनिक धन के उपयोग को किन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर नियंत्रित किया जाना चाहिए? बड़े निगमों को उबारने (bail out) के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What ethical principles should govern the utilization of public funds? Discuss the moral implications of using taxpayer money to bail out large corporations. (Answer in 150 words) 10

आर्थिक सर्वे - 2018-19 के अनुसार  
भारत के सार्वजनिक वजत का 20-25%  
गैर-कृषि साक्षि के कारण व्यर्थ होता  
है। जैसे - 9 लाख करोड़ (लगभग) के NPA  
को राई ऑफ करना

सार्वजनिक धन के उपयोग हेतु नैतिक सिद्धांत

1.7 प्रभावशीलता - न्यूनतम संसाधनों में  
अधिकतम आउटपुट का प्राप्ति  
- आर्मस्ट्रॉंग पेस द्वारा डाउडफेसिंग में  
100 Km सड़क (भोवपुर - नागलैण्ड) बनाई

2.7 कृशलता -> धन का उपयोग जासुरत के  
आनुसार सदुपयोग जैसे - मैट्रॉ मेन-ई.  
मिथरण द्वारा कृशलता से रेलवे उपकरण

3.7 समता (Equity) सार्वजनिक धन का उपयोग  
अक्षमता को कम करने हेतु - 'PDS'

47 नागरिकों का अक्षयीकरण, पब्लिक गुड्स  
उत्पन्न करने, समावेशी विकास, स्वतंत्र विकास  
जड़ियाँ (50%) की पूर्ति हेतु प्रस्ताव -  
जिस - मनरेगा, मिड-डे-मिल, शिक्षा, स्वास्थ्य

बैंड निगमों को उधार लेने के लिए सार्वजनिक धन  
के उपयोग में नैतिक चिन्ताएँ -

1.7 असमानता बढ़ता है - अमीर और अमीर  
तथा गरीब और गरीब होता जाता है।  
धु - 21. भारतीयों के पास 40% संपत्ति  
(ऑक्सफॉर्ड इंडिया)

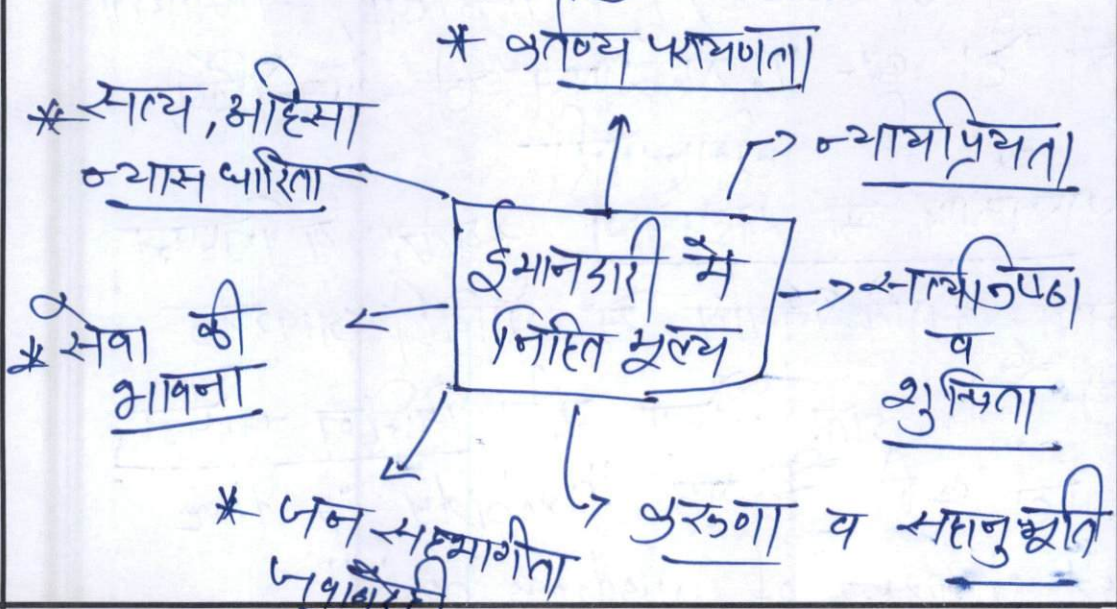
2.7 सार्वजनिक धन का गुणवत्तापूर्ण उपयोग नहीं  
हो पाता और असमानता, गैर-समावेशी विकास होता  
धु - MSP से Bottom 50% किसान वंचित  
जबकि बैंड बैंक धोखे से गरीबों को  
उत्तर: गांधी जी के आसधारिता के  
सिद्धान्त पर लोक सेवक को पब्लिक फंड  
का दृष्टी समझना चाहिए न की स्वामी  
धु - रिमेता समरवाल द्वारा फंड और सिटी फंड  
वर्णना।

2. (b) ईमानदारी का अर्थ केवल भ्रष्ट या बेईमान आचरण से बचना नहीं है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Probity means more than just the avoidance of corrupt or dishonest conduct. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

ईमानदारी सच्चा होने के अभाव, कुशल पैसा की चोरी से श्रृणु या बेईमानी नहीं है। बल्कि समय की चोरी, संसाधनों व जनता के अधिकार की चोरी भी बेईमानी है।

'रे. जी. जे अब्दुल कलाम साहब' ने कहा भी है कि 'आंतरात्मा का मरना अपाचार का मुख्य कारण है। जैसे - 'पूजा खेडकर' द्वारा आखण की चोरी पर गालत इस्तीफा से दिव्यांग जनों का हृदय पुरा लेना।



सी. एस. लुईस के अनुसार जॉबिटी

से तात्पर्य "अपने नैतिक सिद्धान्तों पर लंबा  
भी बने रहना जब कोई ना देख रहा हो"

जैसे- रात तीन बजे इन्फिक्टेड पुलिस ना होने  
पर भी ट्रैफ लाइट ब्रेक ना करना

पुशासन में प्रासंगिकता

1.7 एक अच्छा लोक सेवक वही है सकता  
है जो एक अच्छा व ईमानदार ईमान है  
धु- लाल बहादुर शास्त्री जी की सादगी

2.7 पुशासन का आधार ईमानदार लोक  
सेवकों पर रखा है। जॉबिटी में शासन में  
पारदर्शिता (openness), जवाबदेही, सहभागिता  
बढ़ती है। धु- T. N. शेषन की राजनैतिक  
ईमानदारी

3.7 राजकोष का सदुपयोग, स्वतंत्र व निष्पक्ष  
चुनाव, नीति निर्माण में जॉबिटी आवश्यक  
मूल्य है। अतः जैसा की किरिंन-पीपल  
ने कहा भी है कि "probity is the  
finest chapter of wisdom's book"

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं।

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है।"

- थियोडोर रूजवेल्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To educate a man in mind and not in morals is to educate a menace to society." -  
Theodore Roosevelt (Answer in 150 words) 10

नैतिकता के बिना मानसिक उन्नति  
खतरनाक साबित हो सकती है जैसे - दर्पद  
मेखना। और केवल नैतिकता से भी  
बुद्ध नहीं होता। जैसे -

2 अधिकारी → ईमानदार  
Bpt ⇒ यह पुरासन पर  
बोझ है।  
1. गैर-आर्थिक शल

4 अधिकारी → वैश्वमान  
⇒ यह पुरासन  
के लिए दीमक है।  
→ आर्थिक शल

इस कथन को पुरासन, राजनीति, आर्थिक स्थिति  
व जीवन के अन्य क्षेत्रों में प्रसंगिकता -

1.7 पुरासन में लोड सेवाओं में नैतिक मूल्य  
जैसे - सायबिष्ठा, सेवा भाव, जिम्पजता व  
स्वधर्म पालन का भाव भी है और वैश्व  
उन्नति जैसे - तार्थिक, वस्तुनिष्ठा, रूठ भी है।

उदाहरण के लिए - डा. रे. पी. जे अबुल फलाम

मिसाइल मैन भी है और एक वैज्ञानिक  
संग भी है।

2-7 राजनीति → नैतिकता विहीन राजनीति को  
गोपी जी सामाजिक पाप कहते  
हैं जो किसी का भला नहीं कर सकती वही  
आज के दौर में नेताओं को नई तकनीक,  
डिजिटल युग, नीति निर्माण, प्रदर्शन मैट्रिक्स  
का ज्ञान भी होना चाहिए-

9- सिंगापुर वन मॉडल

3-7 आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र में सफलता के  
लिए व्यक्ति में उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता  
और वैश्विक दृष्टि दोनों जरूरी



उदा: नेपोलियन बोनापार्ट ने भी  
कहा है कि "महान् महत्त्वकांक्षा बड़े धीरे  
का पुत्र है जो इससे सम्पन्न है वो  
या तो बहुत अम्बा करे है या बहुत  
बुरा यह सब उन मूल्यों; सिद्धान्तों से  
तय होता है जिन्हें वे निर्देशित होते हैं।"

3. (b) "असफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।" - हेनरी फोर्ड (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Failure is simply the opportunity to begin again, this time more intelligently." - Henry Ford (Answer in 150 words) 10

"असफलता मात्र खड पुनोती है  
इसे स्वीकार करो  
व्या भुमी रह गई देखो और  
सुधार करो" (मोहन लाल टिक्डी)

हेनरी फोर्ड का यह उद्धरण है या ये  
प्राण्य पंक्तियाँ हमें यही बताती है कि जीवन  
में असफलताओं मात्र सफलता की सीढ़ी होती हैं।  
जैसे - 'मीराबाई चानू' 2016 के ओलम्पिक में हार  
गई लेकिन लखनौ ओलम्पिक में मेडल।

जैसे - 'जसंगिका' → 1) 'प्रशासन' में भी बड़े संस्थागत  
सुधारों में लम्बा वक्त और निरन्तर असफलताएँ  
आती हैं लेकिन अन्ततः सफलता मिलती है।

जैसे - भारत की धरित जाती जिससे भारत को  
स्वायत्त आशातक से मुह निर्भरता बनना

→ 2) 'समाज' में बड़े सुधार आसानी से नहीं  
होते - राजा राम मोहन राय, इयानन्द सरस्वती,  
ज्योतिबा फुले जो कई समस्याओं का सामना करना

③ राजनैतिक क्षेत्र में असफलताएं निरन्तर  
मिलती हैं- 'अब्राहम लिंकन' कई चुनाव हार  
लेकिन अन्ततः राष्ट्रपति बनने में सफल हुए।

④ विज्ञान के क्षेत्र में अविष्कारों से पहले  
असफलताओं सामने आती हैं।

जैसे - उसरो का पण्डयान-2 असफल हुआ  
लेकिन पण्डयान-3 ने इतिहास बनाया।

UPSC उम्मीदवार के जीवन में भी  
कई असफलताओं आती हैं। लॉड सेवक को  
आयुषिक कार्य बोर्ड, संसाधनों की कमी,  
अनावश्यक डबाव का सामना करना पड़ा है  
लेकिन उन सबके साथ सुभारामक आभिशक्ति  
से जो लगा रहता है वह सफल होता ही  
है।

श्यामी विवेकानंद ने कहा भी  
है कि - "हर एक कठिन कार्य को शुरू में  
पुर्नोत्थियों का सामना करना पड़ता है  
परन्तु जो प्रयासरत है अन्ततः वह लगा  
रहता है वह हर सबेर प्रकाश पा ही जाता।"

3. (c) "युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं" - सिसरो (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Laws are silent in times of war." - Cicero (Answer in 150 words)

10

युद्ध को आपत्-धर्म माना जाता है। युद्ध के दौरान कानूनी और सामाजिक नैतिकता की वजाय परिणाम और सौजन्यवादी दृष्टि से शाम-दाम-दण्ड-भेद, येन-बुन-पुकारण जीत का प्रयास किया जाता है।

लेकिन सिसरो का यह कथन पूर्णतः सही नहीं है। युद्ध के समय भी नैतिकता होनी चाहिए। युद्ध में नैतिकता के अभाव में ही

१- अजरायल-फिलिस्तीन ① युद्ध अपराध्य होते हैं।

२- रूस-यूक्रेन ② निरपराध्य जनता को

प्रताड़ित किया जाता है जैसे 'हिटलर' द्वारा

③ युद्ध बंदियों के साथ दासों जैसा व्यवहार, मानवाधिकारों का उल्लंघन, बच्चे, महिलाओं की नाजूक स्थिति का लाभ उठाना, अजायबक हिंसा, यातना यह सब गलत है। इसलिए युद्ध के समय भी कानून

नैतिकता की आवश्यकता है-

1-7 मानवाधिकारों की रक्षा हेतु जैसे- हमास के हमले के बाद 40 हजार लोग मारे गए

2-7 शरणार्थियों के अधिकारों व जीवन रक्षा हेतु जैसे- जिनेवा व UNO रिफ्यूजी कन्वेंशन

3-7 युद्ध के स्थाई समाधान हेतु अनुनाओं की परिकरत जैसे- बहुपक्षीय संगठन 9-UNO

4-7 वैश्विक शांति नियम आधारित वर्ल्ड ऑर्डर, निरस्त्रीकरण व परमाणु हथियारों को बंद करने हेतु अनुना जरूरी है।  
जब युद्ध के रु. पी. जै अबुल

फणाम सादब ने उदा भी है छि-

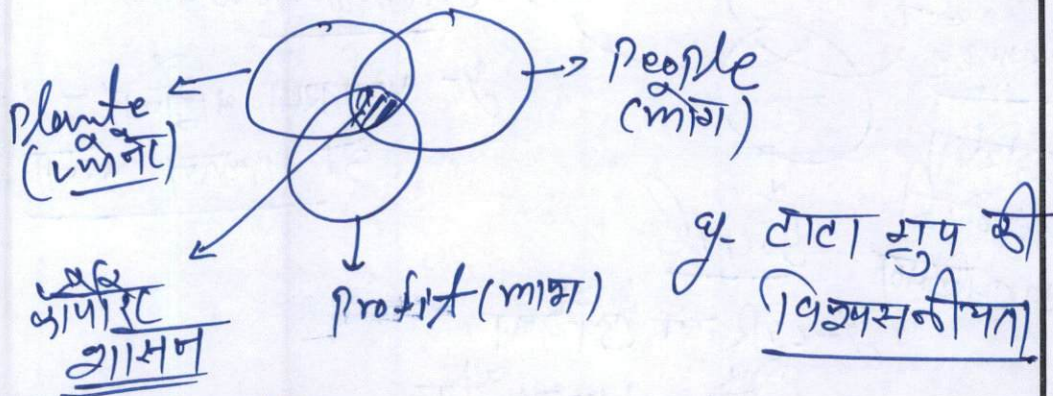
जब हृदय में शुचिता होगी तो चरित्र में सुन्दरता, समाज में समरसता, राष्ट्र में सुव्यवस्था और विश्व में शांति होगी।

इसलिए वॉर रिफिक्स रूड मा। जरूरी है।

4. (a) अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है, न कि केवल नियमों और विनियमों से जुड़े रहने से। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Good corporate governance is about intellectual honesty and not just sticking to rules and regulations. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

कॉर्पोरेट शासन से तात्पर्य  
ऑपरेशनल एक्टिविटीज के मुद्दों जैसे - ईमानदारी,  
सार्थकता, पारदर्शिता, स्टॉक होल्डर्स के अधिकारों,  
जवाबदेहिता जैसे मुद्दों का समावेश करना  
कॉर्पोरेट शासन '3P' से संबंधित है।



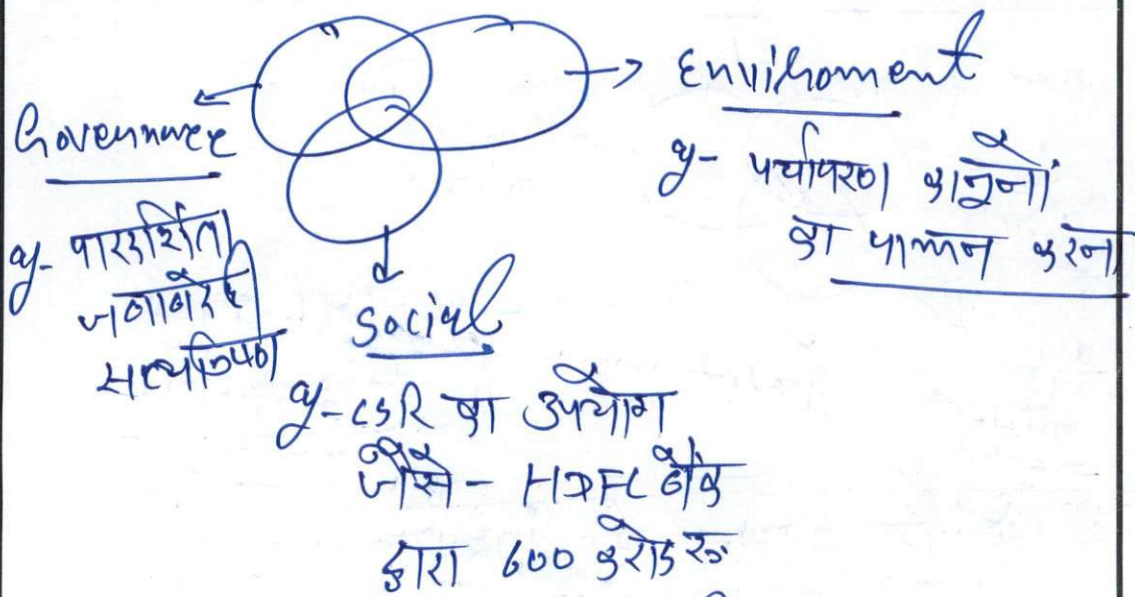
अच्छे कॉर्पोरेट शासन की विशेषता

उदाहरण के साथ - साथ स्टॉक होल्डर्स के अधिकारों का संरक्षण जैसे - सुचना का अधिकार, मैजिस्ट्रल लीव, भारतीय अल्पांश उद्योगी जैसे - टाटा स्टील द्वारा रक्त डान पर कुछ दिनों का संवैधानिक अवकाश

2-7 CSR के नियमों का पालन पूरी ईमानदारी से करना  
 थ- मीडिया ग्रुप का नन्दी बली।  
 प्रोजेक्ट गार्म रजिस्ट्रेशन

3-7 BRAR (बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी व सस्टेनेबल रिपोर्टिंग) द्वारा कंपनी की पर्यावरणीय जिम्मेदारी का अंकन

4-7 ESG का पालन करना।



उदा: अन्वेषण डैमरी के द्वारा गंगात गरु भान्सा को आपनता हर डेवला लाभ के लिए न सोचकर सामाजिक उत्थमिता के बारे में सोचना क्योंकि गांधी जी ने नैतिकता के बिना व्यापार को सामाजिक पाप कहा है।

4. (b) सामान्य तौर पर, किसी संगठन में जितना ऊंचा पद होता है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही अधिक महत्व रखती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

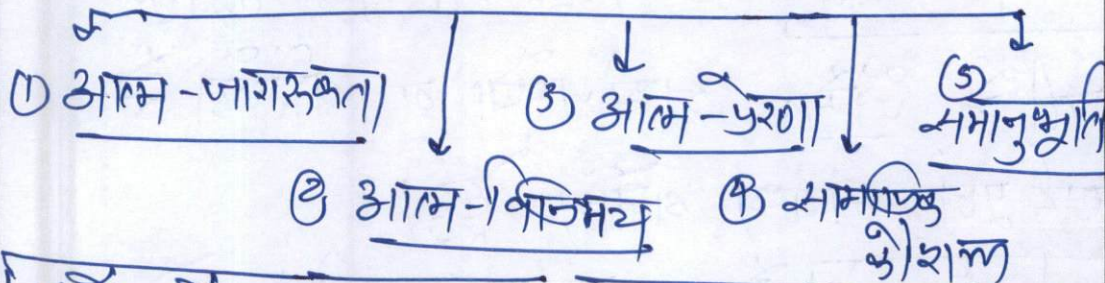
In general, the higher a position in an organization, the more emotional intelligence matters. Do you agree with this view? Give reasons in support of your answer. (Answer in 150 words) 10

डिनिशन गोल मैन। ने अपनी

किताब "What is Emotional Intelligence"

में लिखा है कि "व्यक्ति की सफलता में 80% ~~समय~~ योगदान ए.इ. का होता है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के 5 धारक होते हैं।



ऊँचे पदों व प्रबंधविद्य, प्रशासकिय क्षेत्र में ए.इ. की उपयोगिता → # नागरिकों, ग्राहकों

की भावनाओं, आकांक्षाओं को समझकर सेवा वितरण (Service delivery) को बेहतर बनाना। जैसे - ई-गवर्नेंस व ई-बोर्स

द्वारा प्रबलित मुद्दस की पहचान।

# **टीम भावना** के साथ काम करने हेतु  
द.र. की जरूरत होती है जैसे - चुनाव  
सम्पन्न करने के लिए टीम भावना

# **कार्मिक प्रशासन व संचार कौशल** के  
लिए द.र. का उपयोग कर बेहतर सामंजस्य  
कार्य का वितरण, शिवायत निवारण संभव है।  
यु- 'दिन्या डेवराजन' द्वारा आदिवासियों  
की गोंडी भाषा सीखकर उनसे संवाद

# **तनाव प्रबंधन** में द.र. महत्वपूर्ण भूमिका  
निभाती है जैसे - अधीनस्थों व वरिष्ठों से  
सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने हेतु।

# **कार्य संस्कृति** को नवाचारी, जीवंत बनाने  
के लिए जैसे - Google और फ़ेसबुक द्वारा  
अपनी वर्क कल्चर को इन्ोवेटिव बनाया  
आतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता द्वारा  
संस्थागत सुधार व नवाचारी परिचोपनाओं  
का संपादन संभव हो पाता है जो  
तकनीकी युग में बेहद जरूरी है।

5. (a) तटस्थता और गैर-पक्षपात के अलावा, सहिष्णुता एवं समावेशिता अन्य महत्वपूर्ण मूल्य हैं जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोक सेवकों को अधिक सक्षम बनने में मदद करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In addition to neutrality and non-partisanship, tolerance and inclusion are other important values that facilitate the civil servants to be more competent in a diverse country like India. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words)

"भारत में 20 हजार से अधिक<sup>10</sup>  
बोलियाँ और 22 संवैधानिक भाषाएँ हैं।  
फिर भी हम सब आवाज़ में बोलते हैं"  
- CPM नरेंद्र मोदी जी

भारत बहुभाषाची, बहुसांस्कृतिक,  
बहुनस्लीय, बहुधर्म व जातियाँ का राष्ट्र  
है। विविधता से सम्पन्न राष्ट्र में लोक  
सेवकों के लिए पूर्वग्रह व भेदभाव से  
बचने के लिए तटस्थता और गैर-पक्षपात  
जैसे मूल्यों को धारण करना जरूरी होता  
है। जैसे- T. N. शेषम की राजनीतिक तटस्थता

सहिष्णुता व समावेशिता मूल्यों का महत्व

1977 अनुच्छेद - 25, 26, 27 में धार्मिक अधिकारों  
का प्रावधान है। सहिष्णुता के अभाव में  
ही साम्प्रदायिक दंगे होते हैं। NCRB के

डेटा के अनुसार 2017-2024 के मध्य 2000 साम्प्रदायिक गतिविधियां हुईं इनके लिए प्रशासन में सीद्दिपुता बढे जरुरी है।

यु- महाराष्ट्र पुलिस द्वारा मोदला समितियों में सभी धर्मों के नेताओं के शामिल

2.7 भाषा, ज़ोना व जस्ल के आधार पर स्वायत्तता व अलग राज्य की मांग उठी है। अतः सीद्दिपुता से राष्ट्र को रकता -

अखंडता व सम्पुम्ता में बाँचे रखना

3.7 समोवेशी विकास के लिए सार्वजनिक संसाधनों का वितरण व पब्लिक गुड्स - शिक्षा, स्वास्थ्य आरक्षण हेतु समोवेशी इफे जरुरी है।

4.7 सौव्य - अन्योदय, 500 लाइनों की पूर्ति व RPS के बत्यागकारी राज्य के उद्देश्य के लिए समोवेशी रण्य जरुरी है।

अतः प्रशासन के द्वारा पर आया हर एक थोते ईश्वर का रूप होता है। इसीलिए सीद्दिपुता व समोवेशी मूल्य जरुरी

5. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? भारत में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key principles of public service delivery? Discuss the challenges associated with providing effective public service delivery in India. (Answer in 150 words)

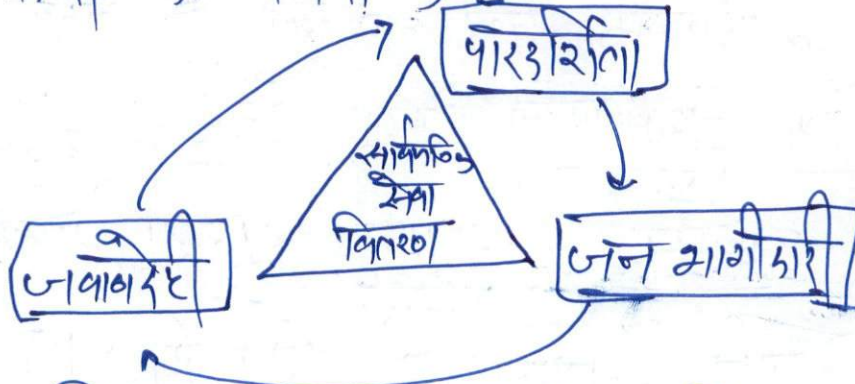
10

सार्वजनिक सेवा वितरण के तहत  
नागरिकों के सम्मिलन हेतु उन्हें शिक्षा,  
स्वास्थ्य, आवास, आरक्षण, सुरक्षा, रोजगार  
जैसी बुनियादी सेवाओं की पूर्ति हो जाती  
है। जैसे- प्रधानमंत्री गरीब आर्थिक  
योजना के तहत 80 करोड़  
लोगों को आरक्षण-सुरक्षा

सेवा  
सार्वजनिक वितरण के सिद्धांत

→ 7-7 Equity (समता), Efficiency (कुशलता) और  
Effectiveness (प्रभावशीलता) के माध्यम  
से कम से कम इनपुट में अधिक  
से अधिक आउटपुट प्राप्त करना  
जैसे- मि-उ-मिल योजना द्वारा  
कुपोषण, अशिक्षा, गरीबी जैसी चुनौतियों  
से एक साथ

2.7 जनसहभागिता → नागरिक समाज, NPO, SHG और सहकारी समितियों द्वारा जन भागीदारी को बढ़ावा देना -



3.7 अन्तिम न्यायिक तह पहुँचने (अन्त्योदय) का उदास भ्रमना जैसे - सीमांत विमान, विधवा दिव्यांग, श्रद्धांज, वरिष्ठों को प्राथमिकता देना

पुनर्जागरण → मूपाचार, लिडन की समस्या  
 \* मनेरगा का 30% बजट गठन  
 \* डॉटर लाभार्थी, फुड लाभार्थी व लाभार्थी पहचान की दिक्कत  
 \* गुणवत्ता, पक्षिण्यता व पहुँच की समस्या \* 123 अनाज की गुणवत्ता  
 \* भागनी शाना शक्ति अधिक \* लालकिता शही  
 \* प्रेपर वरिथर \* लाडकिता शही  
 \* आडा व इ-गवर्नेंस का प्रयोग  
 पर सेवा वितरण को प्रभावी बनाया जा रहा है जैसे - 123 विमान सम्मान विधि योजना

6. (a) जब संधारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन की बात आती है, तो व्यवहारिक प्रेरणा ही आगे की राह है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

When it comes to attitudinal change towards sustainable development, behavioural nudges are the way forward. Illustrate with examples. (Answer in 150 words)

संधारणीय विकास से तात्पर्य  
भावी पीढ़ी के संसाधनों को संरक्षित  
करते हुए वर्तमान की आवश्यकताओं को  
पूरा करना। वैलेंटिन पुमरान ने अपनी  
रिपोर्ट - 'Common future' में बताया  
है कि संधारणीय विकास के बिना कोई  
विकास नहीं होगा वह विध्वंस ही होगा।

संधारणीय विकास हेतु अभिवृत्ति परिवर्तन में  
व्यवहारिक प्रेरणा का महत्व →

① अपशिष्ट प्रबंधन तथा Sustainable  
city and community (S3C2) के लिए  
लोगों में स्वच्छभारत मिशन जैसे कार्यक्रम  
द्वारा व्यवहार परिवर्तन -  
द्वि-परमेश्वर अंचर द्वारा ललंगाना में  
श्रीमालय की सफाई स्वयं शोध में -

② मिशन लिंक - अभिज्ञति परिवर्तन हेतु  
व्यावहारिक प्रेरणा पर बल देता है जिसे  
पुष्पानमंत्री जी द्वारा संसद में प्लासिब  
रीसायलिंग से बनी जैकट पहनना।

③ पीप शेफाली के उत्कृष्ट ऑन नेस  
के अनुसार मानव-केन्द्रित अभिज्ञति का  
हमें पृथ्वी-केन्द्रित इम्प्लिकेशन में बदलना  
होगा- जिसे पीपलात्री गाँव में बेली के  
जन्म पर 111 पेड लगाना

④ माँची जी पृथ्वी व मनुष्य में सह-  
अस्तित्व का संकेत देता है जिसे बुलसी  
गौडा द्वारा 30 हजार पेड लगाना और सीड  
मपर राई वाई सोमा द्वारा बीज संरक्षण

अंतः हमने यह पृथ्वी अपने  
पूर्वजों से उत्तराधिकार में नहीं ली है बल्कि  
अपनी भावी संतानों से उधार ली है।  
इसलिए 500 व रजिडा - 2030 को  
ध्यान में रखते हुए पर्यावरण हितैषी  
विकास करना चाहिए।

6. (b) मदर टेरेसा के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What lessons can be learnt from the life of Mother Teresa? Discuss their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

'मदर टेरेसा' ने अपना सम्पूर्ण जीवन कलकत्ता में दुपह रोगियों की सेवा करते हुए बिताया। उनका पूरा जीवन मानव सेवा का ही पर्याय है

जीवन से प्राप्त शिक्षाओं और प्रासंगिकता

1-7 'नर सेवा ही नारायण सेवा' (स्वामी विवेकानंद)

2-7 मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है

3- संकुशात्री-धन्वंतर्यर द्वारा 3-25  
लायव लोगों की आँखों का इलाज

4-7 सेवा के प्रति समर्पण का भाव  
यु. ज. अश्वि यादव द्वारा एक भाव्य  
महिलाओं की संस्थागत प्रसव

5-7 स्वधर्म का पालन, अज्ञासक्ति व  
विप्लव भाव से बचना

6-7 काँट का "duty for duty sake"

## समकालीन विश्व में पारसंगिता

1-7 गरीबी, भूखमरी से विश्व की 2 अरब आबादी पीड़ित है अतः मदर टैसा जैसा सेवा भाष करी

2-7 भारत में 22 करोड़ लोग भूखमरी का शिकार है। लोड सेवा में आप मदर टैसा जैसी कुरफणा डया सहायुष्मति करी है।

जैसा की गांधी जी ने कहु है कि "इयालुता का एक छोटा सा अर्थ पार्थना में कुछ हजारों सिरों के बराबर है।" मदर टैसा का जीवन इसी का उदाहरण है।

## खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक ऐसे शहर के पुलिस अधीक्षक हैं, जहां के किसी मंदिर में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है, जो मंदिर की अवसंरचनात्मक क्षमता से कहीं अधिक है। व्यापक योजना और एहतियाती उपायों के बावजूद, मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई, जिससे कई लोग हताहत हुए और अनेक लोग घायल हो गए। स्थिति इतनी अधिक गंभीर हो गई कि मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है।

इस जटिलता को और गंभीर बनाते हुए, व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें तेजी से प्रसारित हो रही हैं, जिसमें भगदड़ को सांप्रदायिक झड़पों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ये फर्जी खबरें आम जनता में व्यापक दहशत पैदा कर रही हैं और इनसे जिले में सांप्रदायिक दंगों के भड़कने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस अधीक्षक के रूप में, आप स्वयं को इस संकट के केंद्र में पाते हैं, जहां आपके सामने भगदड़ के तत्काल बाद की स्थिति को संभालने तथा संभावित रूप से खतरनाक गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने की दोहरी चुनौती विद्यमान है।

- (a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों की पहचान कीजिए।
- (b) स्पष्ट कीजिए कि आप एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, भगदड़ की स्थिति से निपटने और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय अपनाएंगे।
- (c) चर्चा कीजिए कि इन उपायों को लागू करते समय, विशेष रूप से सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों एवं धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए, आपको किन नैतिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

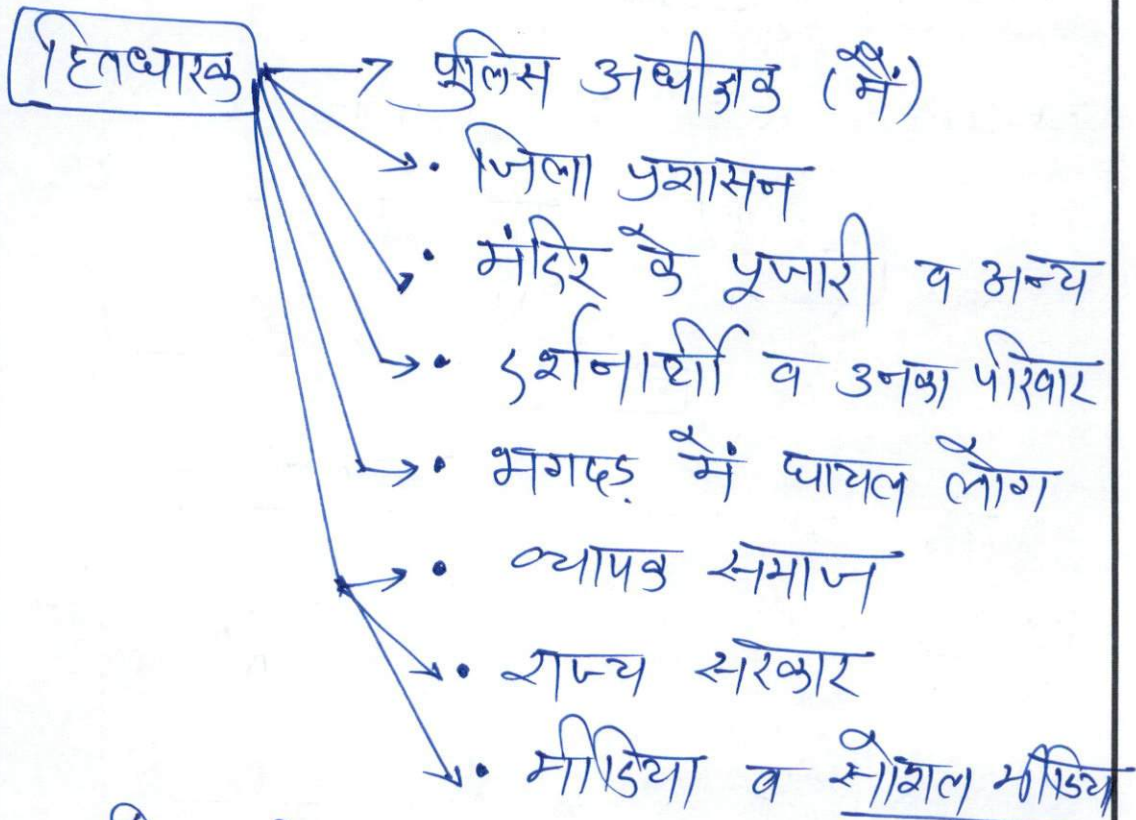
You are the Superintendent of Police in a city hosting a major religious festival at a temple. The event is expected to attract over a million pilgrims, far exceeding the temple's infrastructure capacity. Despite extensive planning and precautionary measures, a sudden crowd surge near the main shrine entrance has resulted in a stampede, causing multiple casualties and numerous injuries. The situation has escalated, with panic spreading among the devotees present at the temple.

Adding to the complexity, instances of fake news are rapidly circulating through WhatsApp groups and social media platforms, falsely attributing the stampede to communal clashes. This misinformation is causing widespread panic among the general public and threatens to ignite communal riots in the district.

As the Superintendent of Police, you find yourself at the center of this crisis, faced with the dual challenge of managing the immediate aftermath of the stampede and countering the spread of potentially dangerous misinformation.

- (a) Identify the key stakeholders involved in this case.
- (b) Explain the measures you, as the Superintendent of Police, will take to address the stampede situation and curb the spread of fake news through social media.
- (c) Discuss the ethical considerations you must keep in mind while implementing these measures, particularly in balancing public safety with individual rights and religious sentiments. (Answer in 250 words) 20

यह किस अध्ययन पब्लिक हंड लो-डॉर  
को लेकर है। विधि की के शासन के लिए  
सार्वजनिक सुरक्षा की रक्षित को रखा  
करती है।



(b) सोशल मीडिया पर फेक न्यूज व साम्प्रदायिक  
दंगों की अफवाह रोकने के लिए मैं सार्वजनिक  
जिला प्रशासन के साथ मिलकर इंटरनेट

को कुछ धारा के लिए शिफ्ट करना  
के लिए यह सचिव को पत्र लिखें।

\* भगदड़ में धारणा को तत्काल रूप  
से प्राथमिक उपचार व अस्पताल पहुँचाने  
का प्रयास करें।

\* पूर्व की रूसी धारा से सब लेते  
दूर भोगाल प्रिडिक्सा डल व टेली-  
मेडिसिन सेवा द्वारा मंदिर जंगल में ही  
उपचार शुरू लगवाऊँ ताकि कम से कम  
जान-भाल की धारि हो।

\* अफवाहों और फेड न्यूज को  
रोकने के लिए रा शैल द्वारा सोशल  
मीडिया पर ज्वारानी धिम का गहन कंटेंट  
व धर्म में फ्लैग मार्च का आयोजन  
करें।

\* मंदिर जंगल में जैसे दूर लोगों  
को निश्चिन्त के लिए कुछ समय के

लिए सम्भावित कार्यक्रम को श्रेणीगत करने को वृद्धिगा।

\* साम्प्रदायिक दंगों की स्थिति ना आये इसके

लिए भाषनात्मक बुद्धिमता का प्रयोग करते

दुर सभी सम्प्रदायों व धार्मिक नेताओं

की एक संरक्षणा / गांभी उमेदी का गठन

पर भीदिया पर सूचना प्रसारित कराईगा

\* स्थिति सामान्य होने पर Right to

Information के तहत तत्काल रूप से

इंटरनेट शिफ्टन दवाया जायेगा ताकि

आर्थिक नुकसान ना हो।

\* साइबर सुरक्षा व IT का प्रयोग

करते दुर हर स्थिति पर नजर रखी

जायेगी।

(c) सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत धार्मिक

आधिकारों के मध्य संतुलन वर्जाने के

लिए संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार

कदम उठाना होगा।

\* अनु. 25 व 26 में धार्मिक स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार उदान करता है जो स्वारूय व लोक व्यवस्था के आधार पर व्यक्तिगत निर्बंधन की बात भी करता

\* व्यक्तिगत जीवन का अधिकार अनु. 21 को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

\* गांधी जी के सर्वधर्म सम्भाव व समकालिक धर्म निरपेक्षता का पालन

करते हुए पूरी वस्तुनिष्ठा व जिप्पज्ञता

से सार्वजनिक सेवा सुरक्षा को

सुनिश्चित किया जायेगा। क्योंकि

विधि का शासन और सार्वजनिक सुरक्षा

सुशासन का आधार है।

8.

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि शर्मा एक प्रमुख बोतलबंद पानी की कंपनी द्वारा प्रस्तावित लाभकारी विज्ञापन अनुबंध को लेकर नैतिक दुविधा में फंस गए हैं।

हालांकि, बोतलबंद पानी की कंपनी शराब के एक प्रमुख ब्रांड की सहायक कंपनी है और पानी की बोतलों पर भी वही ब्रांडिंग की गई है जो शराब उत्पादों पर की गई है। विज्ञापन अभियान एक स्वस्थ उत्पाद को बढ़ावा देने की आड़ में शराब ब्रांड की छवि को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

रवि को अपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार छवि और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। वह शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं, क्योंकि शराब से संबंधित बीमारी के कारण उनके परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। हालांकि, इस विज्ञापन अनुबंध से मिलने वाला वित्तीय लाभ काफी अधिक है और यह रवि के परोपकारी कार्यकलापों, विशेषकर वंचित समुदायों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की उसकी पहलों को काफी हद तक समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह स्थिति रवि को दुविधा में डाल देती है, जहां उसे दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प अर्थात् वह अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन को बढ़ावा देने वाले अनुबंध को स्वीकार कर सकता है या फिर नैतिक आधार पर उसे अस्वीकार कर सकता है, जिससे उसे अपने परोपकारी कार्यों के लिए बड़ी धनराशि से हाथ धोना पड़ सकता है, का चयन करना पड़ेगा।

- (a) रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने के निर्णय में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
- (b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता व्यवहार पर उनके प्रभावों की चर्चा कीजिए।
- (c) रवि जैसी लोक हस्तियां विज्ञापन उद्योग में नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों की बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व का उपयोग कैसे कर सकती हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravi Sharma, a renowned movie actor, finds himself in an ethical dilemma regarding a lucrative endorsement deal offered by a prominent bottled water company.

However, the bottled water company is a subsidiary of a major alcohol brand, and the water bottles carry the same branding as the alcohol products. The advertising campaign is designed to reinforce the alcohol brand's image under the guise of promoting a healthy product.

Ravi is known for his socially responsible public image and advocacy for healthy living. He is deeply aware of the harmful effects of alcohol, having lost a close family member to an alcohol-related illness. However, the financial reward from this endorsement deal is substantial and could significantly support Ravi's philanthropic activities, particularly his initiatives for providing education and healthcare to underprivileged communities.

This situation places Ravi at a crossroads, forcing him to choose between accepting a deal that could indirectly promote alcohol use and rejecting it on ethical grounds, potentially foregoing significant funding for his charitable work.

- (a) What are the ethical issues involved in Ravi's decision to endorse the bottled water product?

- (b) Discuss the broader implications of celebrity endorsements and their influence on public health and consumer behaviour.
- (c) How can public figures like Ravi use their influence to promote ethical business practices in the advertising industry? (Answer in 250 words) 20

यह बेस अध्ययन एक अभिनेता की नैतिक संकल्पना और व्यक्तिगत नैतिकता में उत्पन्न नैतिक दुविधा को रेखांकित करती है।

(b) नैतिक मुद्दे

1-7 परिणाम निरपेक्षवादी नैतिकता के अनुसार शिवेशर्मा को अपने मुद्दों व नैतिक सिद्धान्तों से समझौता किसी भी लाभ के लिए नहीं करना चाहिए - जैसे इमेजुरल काँट का निरपेक्ष आदेश कहता है कि नैतिक नियम देश, काल परिस्थितियों से उन्मुखित नहीं होना चाहिए।

2-7 दूसरी तरफ परिणाम सापेक्षवादी नैतिकता के अनुसार साधन की बजाय साध्य की पवित्रता ज्यादा जरूरी है। शिवेशर्मा

का उद्देश्य परोपकारी कार्यों के लिए धन जुटाना है। इसलिए उन्हें विज्ञापन प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए।

3-7 ओतारात्मा का संकट का नैतिक मुद्दा भी है जहां व्यक्ति को सही के मध्य या दो गलत के मध्य चुनाव नहीं कर पा रहा है।

4-7 गांधीवादी नैतिकता के अनुसार शराब जैसे हानिकारक पदार्थ का उपार किसी कीमत पर नहीं करना चाहिए।

5-7 सर्वव्यापक नैतिकता के अनुसार डेवें लो भी अनु. 47 & 48 के तहत शराब अविशाल करना गलत है।

6-7 अन्य नैतिक मुद्दों में व्यावसायिक शतयत्ति, सामाजिक अस्वीकार्यता जैसे मुद्दे भी शामिल हैं।

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों का चापक प्रभाव

समाज पर पड़ता है -

1-7 सेलिब्रिटी को लोग रोल मॉडल के रूप में देखती है अतः उनकी अनुनय शक्ति चापक होती है।

\* सकारात्मक → अमिताभ बच्चन को इन्ड पॉलिटा

\* वकारात्मक → विमल गुल्था का रोड ब्रेक  
वॉल अभिनेता

2-7 सेलिब्रिटी की पॉपुलर साइबर स्पेस व

चापक समाज तक होती है। अतः

विज्ञापनों का दुर्गामी प्रभाव पड सकता

है जैसे - विश्व रिलीज में वॉल  
रिजिस्टर के अनुसार रंग भेद

3-7 स्वच्छता, अभिवृत्ति, मूल्यों पर गहरा  
प्रभाव पड सकता है।

य मनम मसाला में एजिक्स तत्व

4-7 विज्ञापनों पर आर्थिक धरम का वैश्व

अन्तः ग्रहण पर ही पड़ता है।

(1) नैतिक व्यावसायिक पहलियों को बढ़ावा देने के लिए रीफ व अन्य अभियंताओं द्वारा उद्योग जॉन कोल सम्भावित उद्यम—

1-7 अपनी ब्रांड का उपयोग समाज में सकारात्मक बदलाव हेतु जैसे— अजय कुमार द्वारा सेनट्री नेपथिन का प्रचार

2-7 दानिषारक व अलिशयोमिप्रुल वस्तुओं का प्रचार न करके वैदिक इमानदारी जैसे— कोल्ड्रीक्स का प्रचार न करना

3-7 जिन उत्पादों में भरोसा या पिनका उपयोग नहीं करते उनका प्रचार न करना

4-7 फॉर्पैरेट गवर्नेंस, पर्यावरण दित व SDG लक्ष्यों का प्रचार करना

उत्तम अभियंताओं व रेगुलेटर्स को अपनी सामाजिक दायित्व जिम्मा को वास्तविक व साचता का ही प्रचार करना चाहिए।

9.

आप एक कृषि प्रधान जिले में जिला मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त हैं। हाल ही में, इस क्षेत्र में बेमौसम वर्षा हुई है, जिससे फसलों को अत्यधिक क्षति हुई है और किसान समुदाय भी संकट के कगार पर पहुंच गया है। खाद्यान्न खरीद प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

आपको किसानों से अनाज खरीदने वाले गोदामों में व्यापक कदाचार की रिपोर्टें मिली हैं। इन भ्रष्ट गतिविधियों में खरीद प्रक्रिया में जानबूझकर विलंब करना, तौल के पैमानों में हेरफेर करना, मनमाने तरीके से गुणवत्ता को अस्वीकार करना और हताश किसानों से रिश्वत की मांग करना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि हुई है, कई किसान तो अपना लागत मूल्य भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं जबकि अन्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से बहुत कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए विवश हैं। इससे कृषक समुदाय के लिए वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

आपको इस जटिलता को और अधिक गंभीर बनाने वाली एक रिपोर्टें मिलती हैं जिससे पता चलता है कि कुछ स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी इन भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं और किसानों की दुर्दशा से लाभ उठा रहे हैं। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो संभावित किसान विरोध प्रदर्शनों एवं आंदोलनों के शुरू होने की भी अफवाहें हैं।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपके सामने तात्कालिक संकट और इस स्थिति को जन्म देने वाले प्रणालीगत मुद्दों जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, दोनों से निपटने की चुनौती है।

- इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।
- प्रभावित कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए आपके द्वारा अपनाए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर चर्चा कीजिए।
- आपके द्वारा चुने गए उपाय को क्रियान्वित करते समय आपके समक्ष आने वाली नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे कैसे निपटेंगे। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the District Magistrate in a predominantly agricultural district. Recently, the region has been hit by unseasonal rainfall, causing severe crop damage and pushing the farming community to the brink of crisis. The situation is further exacerbated by widespread corruption in the food grain procurement system.

You have received reports about rampant malpractices in the warehouses responsible for procuring food grains from farmers. These corrupt practices include deliberate delays in the procurement process, manipulation of weighing scales, arbitrary quality rejections, and demands for bribes from desperate farmers. As a result, farmers are facing significant financial losses, with many unable to recover even their input costs.

Many farmers are unable to sell their produce, while others are forced to sell at prices far below the Minimum Support Price (MSP). This has led to financial distress for the farming community.

Adding to the complexity, you have received reports suggesting that some local politicians and influential businessmen are involved in these corrupt practices, benefiting from the farmers' misery. There are also rumors of potential farmer protests and agitations if immediate action is not taken.

As the District Magistrate, you are faced with the challenge of addressing both the immediate crisis and the systemic issues that have led to this situation.

- Identify the key stakeholders involved in this case and their respective interests.
- Discuss the immediate measures you will take to provide relief to the affected farming community.
- Discuss the ethical dilemmas you might face while implementing your chosen course of action and how you would navigate them. (Answer in 250 words) 20

यह उस अधिकांश शीघ्र प्रधान  
देश जहाँ आधी आबादी श्वेती पर निर्भर  
है के सामने आने वाली शीघ्र संवेधी  
पुनर्निर्माण या रूखेडित करती है।

सिद्धांत

↳ 1. किसान वर्ग

↳ शीघ्र ⇒ उपज का सही समय न मिलना  
↳ खाद्यान्न की वृद्धि  
↳ आपदा में श्वेत का अधिकार  
↳ शीघ्र विपणन में श्वेत अधिकार  
↳ व भ्रष्टाचार  
↳ संगठनात्मक सुधारों की परत  
↳ वुनियासी सुविधाओं के  
↳ अभाव की समस्या

2.7 जिला प्रशासन

- ↳ हित ⇒
- आपदा प्रबंधन को प्रभावी व कुशल तरीके से करना
  - संभावित किसान आन्दोलन को शांत करना
  - विधि और व्यवस्था बनाये रखना। सार्वजनिक सुरक्षा
  - संगठित अपराध को समाप्त करना
  - संविधा प्रदाता व सेवा वितरण कर्ता के रूप में किसानों को अभिसंस्थान व सुविधा देना

3. व्यापक समाज व राजनेता

- ↳ हित ⇒
- समाज में अपराध की रोकथाम की समस्या
  - राजनीतिक शक्ति के उदरार्थन से उत्पन्न समस्या

(b) तात्कालिक उपाय

1.7 सर्वोत्तम आपदा राहत कार्य का पूर्ण जांचना लैने के उम्पात किसान संगठनों से वार्ता करना।

2.7 समस्याओं को रेपोर्ट कर उनका वर्गीकरण कर तात्कालिक व दीर्घकालिक के रूप में सुझाव देना

3.7 राहत कार्य को ~~समय~~ समय बहा तरीके से पूरा करना व मूल्यांकन से सम्बन्धित लोगों पर कार्यवाही करना

3.7 किसान आन्दोलन की संभावना को देखने के लिए किसान नेताओं से वार्ता

4.7 कृषि मंडी में PPP मॉड पर अभिमुखता का निर्देश कर सुनिश्चिा

5.7 भंडारण, शीतकट्ट आदि के लिए तकनीक का उपयोग करना

6.7 MSP को लेकर समायोजी राजनीति बनाना

- 1) कार्यवाही के दौरान नैतिक दुर्विध्या
- 2-7 खिसानों व व्यापारियों के हितों में  
कराव का मुद्दा
- 2-7 खिसान संगठन के शक्ति दू उद्देश  
व प्रिले में विधि एवं व्यवस्था  
के मध्य दुर्विध्या।
- 3-7 व्यापारगत मुद्दों व प्रशासनिक कर्तव्यों  
में दुर्विध्या
- 4-7 राजनीतिक कराव की दुर्विध्या  
उदा: मैं कोड ऑफ़ कंडक्ट  
और प्रशासनिक कर्तव्यों में सामयिकता  
की अनिर्वायता व अनपेक्षणीयता  
के साथ इनका समाधान करेंगा।  
कैदाखि खिसान केवल नागरिक नहीं  
अजनडा भी है।

10.

हाल ही में एज़्टैक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में नियुक्त श्री वी, कंपनी के शिशु आहार उत्पादों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं। हाल ही में, यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि भारत में एज़्टैक के शिशु उत्पादों में एक बार के आहार के रूप में दी जाने वाली मात्रा में लगभग 3 ग्राम शर्करा की मात्रा होती है, जबकि जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमीर देशों में इसी तरह के उत्पादों में कोई अतिरिक्त शर्करा की मात्रा नहीं होती है। एज़्टैक ने इस प्रथा का बचाव करते हुए कहा है कि चीनी की मात्रा स्थानीय नियमों के अनुरूप है। हालांकि, इन उत्पादों पर पोषण संबंधी जानकारी में अतिरिक्त शर्करा के बारे में विवरण का उल्लेख नहीं है।

इस खुलासे ने नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिनका तर्क है कि शिशु उत्पादों में शर्करा की अतिरिक्त मात्रा खतरनाक और अनावश्यक है। आलोचना के बढ़ने से एज़्टैक की प्रतिष्ठा और बाजार में इसकी स्थिति खतरे में पड़ गई है।

श्री वी को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। इन शिशु उत्पादों को बाज़ार से हटाने से कंपनी को काफ़ी वित्तीय क्षति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है और यहां तक कि कंपनी के बंद होने की संभावना भी हो सकती है, क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से ही खराब है। वरिष्ठ प्रबंधन उन पर दबाव बना रहा है कि वे इस मुद्दे का समाधान कंपनी के लाभ को प्रभावित करने वाले किसी बड़े परिवर्तन के बिना करें।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) उपर्युक्त स्थिति में श्री वी के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।
- (c) श्री वी के लिए उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mr. V, recently appointed as the head of Aztack's India division, faces a significant ethical dilemma regarding the company's baby food products. Recently, it has come to public attention that Aztack's baby products in India contain nearly 3 grams of sugar per serving, while similar products in wealthier nations like Germany and the UK have no added sugar. Aztack defends this practice, stating that the sugar levels comply with local regulations. However, the nutritional information on these products omits details about added sugars.

This revelation has sparked backlash from civil society, NGOs, and health experts, who argue that added sugar in baby products is dangerous and unnecessary. The criticism is growing, putting Aztack's reputation and market position at risk.

Mr. V faces a serious challenge. Removing these baby products from the market could result in significant financial losses for the company, potentially leading to employee layoffs and even the possibility of the company shutting down, given its already precarious financial state. The senior management is pressuring him to resolve the issue without making drastic changes that could affect the company's profit.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) Evaluate the options available to Mr. V in the above situation.
- (c) Which of the above would be the most appropriate option for Mr. V and why?  
(Answer in 250 words) 20

यह उस अध्ययन जिसे कंपनी में ऑन वाणी संबंधित दुविधाओं से संबंधित है।

नैतिक मुद्दे

1.2-7 व्यावसायिक हित (लाभ) बनाम सार्वजनिक हित (स्वार्थ) में संघर्ष है।

2.7-7 श्री वी के कंपनी के प्रति अधिकार और समाज के प्रति अधिकार में टकराव की स्थिति

3.7-7 व्यावसायिक नैतिकता और सार्वजनिक नैतिकता में टकराव है। यदि कंपनी के प्रोफिट मार्केट से हटें तो कंपनी बंद हो सकती है।

4.7-7 कंपनी असंगतियों के कारण इन ऑफ टूडेज बिजनेस के नैतिक मुद्दे

**विषय** → क प्रोडक्ट को बाजार से वापस ले ले -

**गुण** → \* कंपनी के लिए दीर्घकाल में जन विश्वास बना रहेगा।  
\* अपनी गलती को स्वीकार करना प्रोफेशनल मॉरलिटी के अनुसार सही है।  
\* कंपनी मुकदमों बाजी से वापस जायेगी।

**दाप** → \* कंपनी का लाभ कम होगा और कंपनी के अर्थदायकों को नुकसान  
\* भी वी व अन्य अर्थदायकों की नौकरी जा सकती है। अतः आजीविका का संकट  
\* कंपनी के बंद होने की नौकरी आ जायेगी।

② कंपनी प्रॉडक्ट को बाजार में जारी  
रखे और ब्यांकि स्थानीय नियमों  
के अनुसार वह सही है—

गुण → \* व्यावसायिक दानि नहीं होगी  
\* भी वी अपना उद्योग निभा  
सकेंगे।

\* आजोकि की सुरक्षा

दाप → कंपनी के प्रति पन्ता का अविश्वास  
होए भी बढ़ सकता है।

→ अज्ञानता कार्यवाही शुरू हो सकती है

उदा: कंपनी को धारित की  
सेक्स पदों आपनी गलती स्वीकार  
करे। दुस प्रॉडक्ट के दृश्य पर  
लॉन्गटर्म प्रोजेक्ट की पॉसि करे।

थी प्रॉब्लम अनदेखी है तो  
उन्हें बाजार से दूर डोर कर  
देखी प्रॉब्लम लॉन्च करें।

दीर्घकाल में कंपनी की  
साथ के लिए पारदर्शिता जैसे  
मूल्य वादा परी है। इसलिए  
नौतिकता के साथ वाणिज्य करना  
पाए।

11. सागर मेहता एक 42 वर्षीय पेशेवर है और उसका कॉर्पोरेट जगत में एक बेदाग रिकॉर्ड है। उसने हाल ही में इन्फ्राटेक सॉल्यूशंस नामक कंपनी के CEO का पद धारण किया है। इन्फ्राटेक सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों में से एक है। इन्फ्राटेक को सड़कों और पुलों के डिजाइन एवं निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है तथा इसने विगत तीन दशकों में एक मजबूत प्रतिष्ठा हासिल की है। यह कंपनी मुख्य रूप से राज्य लोक निर्माण विभागों की परियोजनाओं पर कार्य करती है और कभी-कभी राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुबंध भी प्राप्त करती है।

सागर ने यह पद 15 वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप प्राप्त किया था। उसने केवल अपनी प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की है तथा उसने सदैव नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों का पालन किया है। इन्फ्राटेक के CEO के रूप में उसकी नियुक्ति को अक्सर विवादों से घिरे रहने वाले उद्योग में ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा गया।

अपनी नई भूमिका में आठ महीने के बाद, सागर कंपनी को जिस दिशा में ले जा रहा था, उसे लेकर आत्मविश्वास महसूस कर रहा था। उसने नई प्रौद्योगिकियों को लागू किया, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया और अपनी परियोजनाओं में अधिक संधारणीय पद्धतियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया।

एक शाम, कुछ वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा करने के दौरान, सागर ने एक पैटर्न देखा कि बड़े अनुबंधों की घोषणाओं से ठीक पूर्व विभिन्न अज्ञात संस्थाओं को बड़ी धनराशि भेजी जा रही थी। उत्सुक और थोड़ा चिंतित होकर, उसने इसकी गहराई से जांच करने का निर्णय किया। उसने पाया कि इन्फ्राटेक उन राज्यों में सत्तारूढ़ राजनितिक दलों के सदस्यों के चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त राजनीतिक दान कर रहा था, जहां वे अनुबंधों को प्राप्त करने हेतु बोली लगा रहे थे। ये दान बड़ी सावधानी से समयबद्ध और रणनीतिक रूप से वितरित किए गए थे ताकि कंपनी द्वारा लाभकारी सरकारी परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने की संभावना अधिकतम हो सके।

सागर हमेशा साफ-सुथरा कार्य करने के लिए स्वयं पर गर्व महसूस करता था। इस मुद्दे को हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित सागर ने इस मामले को बोर्ड की अगली बैठक में उठाया। उसे यह देखकर आश्चर्य और निराशा हुई कि निदेशक मंडल ने न केवल इस प्रथा को स्वीकार किया, बल्कि इसका दृढ़तापूर्वक बचाव भी किया। संदेश स्पष्ट था - बोर्ड को उम्मीद थी कि सागर इस प्रथा को जारी रखेगा तथा कोई भी विचलन न केवल कंपनी की स्थिरता को बल्कि CEO के रूप में उनकी स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

जैसे ही सागर बैठक से बाहर निकला, उसने महसूस किया कि इस नैतिक दुविधा का बोझ उस पर बढ़ रहा है। एक तरफ, वह कंपनी की सफलता और इन्फ्राटेक पर निर्भर हजारों कर्मचारियों की आजीविका के लिए उत्तरदायी था। दूसरी तरफ, अब वह एक ऐसे कृत्य में संलिप्त था जिसे वह नैतिक रूप से संदिग्ध और संभावित रूप से अवैध मानता था।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) सागर के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसे क्या कारवाई करनी चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (250 शब्दों में उत्तर लिखिए)

Sagar Mehta, a 42-year-old professional with an impeccable track record in the corporate world, had recently accepted the position of CEO at Infratech Solutions, one of India's largest infrastructure companies. Known for its expertise in designing and constructing roads and bridges, Infratech had built a strong

reputation over the past three decades, primarily working on projects for state public works departments and occasionally securing contracts with national agencies.

For Sagar, this role was the culmination of 15 years of hard work and dedication. He had climbed the corporate ladder through sheer talent and integrity, always adhering to ethical business practices. His appointment as CEO of Infratech was seen as a breath of fresh air in an industry often marred by controversies.

Eight months into his new role, Sagar was feeling confident about the direction in which he was steering the company. He had implemented new technologies, streamlined processes, and was pushing for more sustainable practices in their projects.

One evening, while reviewing some financial documents, Sagar noticed a pattern of large outflows to various obscure entities just before major contract announcements. Intrigued and slightly concerned, he decided to dig deeper. He found out that Infratech had been making substantial political donations to the election campaigns of ruling party members in states where they were bidding for contracts. These donations were carefully timed and strategically distributed to maximize the company's chances of securing lucrative government projects.

Sagar had always prided himself on running clean operations. Determined to address this issue, Sagar raised the matter at the next Board meeting. To his shock and dismay, the Board of Directors not only acknowledged the practice but also strongly defended it. The message was clear – the Board expected Sagar to continue this practice, and any deviation could jeopardize not just the company's stability but also his position as CEO.

As Sagar left the meeting, he felt the weight of this ethical dilemma bearing down on him. On the one hand, he was responsible for the company's success and the livelihoods of thousands of employees who depended on Infratech. On the other hand, he was now complicit in a practice that he found ethically questionable and potentially illegal.

- (a) State the ethical issues involved in this case.
- (b) Evaluate the options available to Sagar.
- (c) What should be his course of action? Give reasons to support your answer. (Answer in 250 words)

20

यह इस अध्ययन कोपरेट गवर्नेंस  
में निजी अणुत्पादन और शेरी डिप्लोम  
जैसी समस्याओं को उठाता है।

### नीतिगत मुद्दे

- 1-7. कंपनी के हित (लाभ) बनाम सागर की  
आंतरात्मा के मध्य टूट है।
- 2-7 सागर के व्यक्तिगत मुद्दों और  
कंपनी के व्यावसायिक मुद्दों में संघर्ष।
- 3-7 सांगों वाला पुंजीवाद राजनीति और  
उद्योग दोनों के लिए दीर्घकाल में  
हानिकारक है।
- 4-7 राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता  
के अभाव का मुद्दा।
- 5-7 स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के अभाव का मुद्दा।
- 6-7 साक्षात् अणुत्पादन का मुद्दा।

विषय - ① सागर पूर्ववर्ती स्थिति का  
वर्नाच रैच और अपनक का  
इस मुद्दे से ताम्य रैच।

धाम → यह ६६० के पद पर बना रहेगा  
→ कंपनी की बुगी होगी  
→ वॉर्ड के सदस्य चुन रहेगे  
जिससे उसे अरिध में सफलता  
→ एजेंडा बर्माचारियों की आपीकिका

दान → आंतरात्मा से समझौता करना  
अनैतिक है (गांधी जी)  
→ नीतिवता के बिना व्यापार समाधि  
पाप है। दीर्घकाल में समाप  
के लिए दमिकारक  
→ डॉट के निर्णय आदेश के अनुसार  
अनैतिक है।

\* राजनीतिक आपत्तार लोकतंत्र का  
धनतंत्र बना देगा।

③ सागर इस अनैतिक व अवैध कार्य की जांच कर इसे रोकने का प्रयास करे -

**लाभ** → \* अपनी अन्तरात्मा की आवाज सुनना नैतिक (अन्तः प्रज्ञावादी) नैतिकता

→ \* सागर को अपने मूल्यों से सम्झौता नहीं करना पड़ेगा; प्रसंस उसे आत्म संतोष होगा

→ \* भविष्य में कंपनी पर आई अनैतिकता का आरोप नहीं लगेगा

**दिखा** → \* कंपनी को लाकड़ियाँ दानि होगी

\* कुछ प्रॉपर्ट आउट संकेत हैं

\* गॉर्ड मंबर सागर को नौकरी से निवृत्त संकेत हैं

\* कंपनी बंद हो सकती हैं

\* राजनीतिक गारापगी का सामना।

सागर को सबसे पहले इस तरह  
की बेस स्लैडी तैयार कर बोर्ड मेंबर  
को समझाना चाहिए की राजनीतिक  
संबंधों पर ज्यादा समय तक कंपनी के  
ब्राम नहीं आती। कंपनी की सेवा  
की गुणवत्ता बढ़ाने का प्रयास करना  
चाहिए न की राजनीतिक रिश्ता का

सागर यदि बोर्ड मेंबर को  
समझा ले तो वैध तरीके से राजनीतिक  
संबंधों में कोई अनेकिया नहीं है।

उदा: सागर को सावधानी  
के इच्छे मूल्यों के अनुसार अपेक्षित  
गवर्नेंस के अनुसार ही अपने कर्तव्यों  
का पालन करना चाहिए।

12. आप राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं और आपकी प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि देश भर में प्रवेश परीक्षा के प्रोटोकॉल का एक समान रूप से अनुपालन किया जाए। आप शिक्षा प्रशासन में अपने विगत दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हमेशा परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं।

पिछले माह, NTA ने देश भर में मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन किया। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रत्येक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में सीट प्राप्त करने की अपेक्षा कर रहा था।

हालांकि, परीक्षा के कुछ दिनों के भीतर, आपके कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से चौंकाने वाली रिपोर्टें आने लगीं। कई राज्यों में स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा कथित पेपर लीक के समाचार प्रकाशित किए जाने लगे। आपके फोन पर चिंतित अभिभावकों और छात्रों के कॉल आने लगे। वे आपको परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट कर रहे थे। इसमें अभ्यर्थियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग करने, कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देने और यहां तक कि प्रॉक्सी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते हुए देखे जाने के दावे शामिल थे।

जैसे-जैसे ये रिपोर्टें आपके सामने आती हैं वैसे-वैसे स्थिति तेजी से बिगड़ती जाती है। राष्ट्रीय मीडिया ने इस समाचार को प्रमुखता से उठाया और जल्द ही यह प्रत्येक समाचार चैनल की सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर "जस्टिस फॉर स्टूडेंट" हैशटैग के साथ व्यापक चर्चा होने लगी। अभिभावक संगठन आपके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुनर्परीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे थे।

इस अव्यवस्था के बीच, आपको शिक्षा मंत्री का फोन आता है, जो स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं। आप पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बहुत अधिक है, लेकिन आप यह जानते हैं कि बिना गहन जांच के जल्दबाजी में लिए गए किसी भी निर्णय के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

इस पेशेवर चुनौती के मध्य आपको एक व्यक्तिगत दुविधा का सामना करना पड़ता है जिससे यह मामला और अधिक जटिल बन जाता है। आपकी बेटी ने भी इस वर्ष NEET परीक्षा दी थी। वह दो वर्ष से तैयारी कर रही थी और प्रायः देर रात तक अध्ययन करती थी।

प्रारंभ में, आपकी बेटी अपनी परीक्षा के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित थी। किंतु अनियमितताओं के समाचारों के बाद से, आपने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा है। वह असामान्य रूप से चुप रहती है तथा रात के भोजन के दौरान नजरें चुराती है एवं अपने कमरे में ही अधिक समय व्यतीत करती है।

एक शाम, असहनीय तनाव के कारण आप अपनी बेटी से बातचीत करते हैं। बहुत समझाने के बाद, वह टूट जाती है और रोते हुए स्वीकार करती है कि उसने कुछ राशि के बदले एक निजी सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से लीक हुए कुछ प्रश्न प्राप्त किए थे। वह दावा करती है कि उसे यकीन नहीं था कि वे प्रश्न वास्तविक थे, किंतु फिर भी उसने उनकी तैयारी की। अब वह आपसे कोई कार्रवाई न करने की विनती करती है।

इस स्थिति में आप अपने पेशेवर कर्तव्य और अपनी बेटी के प्रति अपने प्रेम के बीच दुविधा में उलझ जाते हैं, तो आपको आपके निर्णय के बोझ का एहसास होता है। ऐसे में संपूर्ण परीक्षा प्रणाली की सत्यनिष्ठा के साथ लाखों छात्रों का भविष्य भी दांव पर लगा है, जिसमें आपकी बेटी भी शामिल है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के रूप में, आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? ( 250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a senior official in the National Testing Agency (NTA) and your primary role is to see if the entrance exam protocols are followed uniformly across the country. With over two decades of experience in education administration, you have always prided yourself on your commitment to fairness and transparency in the examination process.

Last month, the NTA conducted the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) for medical admissions across the country. Over 2 million aspirants appeared for this highly competitive exam, each hoping to secure a seat in prestigious medical colleges.

However, within days of the exam, your office is inundated with alarming reports from various sources. Local newspapers carry stories of alleged paper leaks in several states. Your phone rings constantly with calls from concerned parents and students reporting irregularities at exam centers - claims of candidates using mobile phones, some being granted extra time, and even sightings of proxy candidates taking the test.

As you grapple with these reports, the situation escalates rapidly. National media picks up the story, and soon it's the headline on every news channel. Social media is abuzz with hashtags demanding justice for the students. Parents' associations are organizing protests outside your office, calling for a re-examination and severe punishment for the culprits.

Amidst this chaos, you receive a call from the Education Minister, who expresses grave concern over the situation and demands immediate action. The pressure to act swiftly is immense, but you know that a hasty decision without thorough investigation could have far-reaching consequences.

As if the professional challenge was not daunting enough, you face a personal dilemma that threatens to complicate matters further. Your daughter also took the NEET exam this year. She had been preparing for two years, often studying late into the night.

Initially, your daughter had been ecstatic about her performance in the exam. However, since the news of irregularities broke, you have noticed a change in her behavior. She has been unusually quiet, avoiding eye contact during dinner, and spending more time alone in her room.

One evening, unable to bear the tension, you confront your daughter. After much prodding, she breaks down and confesses. Tearfully, she admits to having accessed some leaked questions through a private social media channel, in exchange for money. She claims she was not sure if they were genuine, but prepared them anyway. She is now pleading with you to not take any action.

As you stand there, torn between your professional duty and your love for your daughter, you realize the weight of the decision before you. The integrity of the entire examination system hangs in the balance, as does the future of millions of students - including your own child.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
- (b) As a person responsible for ensuring exam protocols, what are the options available to you? What course of action will you follow and why? (Answer in 250 words) 20

यह केस अध्ययन व्यावसायिक  
कर्तव्यों, पेशासिद्धि अधिकारों और पारिवारिक  
कर्तव्यों के मध्य धर्म संकट की समस्या  
को रेखांकित करती है।

- नैतिक मुद्दों -> 1-7 पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का मुद्दा  
2-7 शिक्षा में अनैतिक साधनों के कारण  
परीक्षा की शुद्धता का मुद्दा  
3-7 जनता के विश्वास और कुशल  
संस्थान का मुद्दा  
4-7 बेटी के प्रति व्यक्तिगत कर्तव्य व NATA  
प्रमुख के कर्तव्यों में संघर्ष का मुद्दा  
(द्वितीय में संघर्ष)  
5-7 वेद छात्र आन्दोलन का मुद्दा  
6-7 शिक्षकों को सजा दिलाने का  
मुद्दा।

**खिलाफ** ① NTA के विशेष अधिकारी के रूप में अपने दित संपर्क के विभाग के सामने उपागर करके मामला से लस्य हो जाऊ।

**गाम्भी** → ① व्यक्तिगत इमानदारी कायम रहेगी  
→ ② अंतरात्मा पर बोझ नहीं  
→ ③ सात्य की राह चुनी

**डाप** → ① पलायनवादी बरफ होगा  
→ ② बेटी पर अनावश्यक कार्यवाही  
→ ③ व्यक्तिगत मूल्यों के लिए प्रशासनिक मूल्यों से भागना गलत

④ बेटी की बात मानकर रूप हूँ

**शाम** → बेटी और परिवार के प्रति उत्तरदायिता का पापन होगा  
→ व्यक्तिगत जीवन में कोई परेशानी नहीं

(5) → राजनीतिक दबाव बढ़ेगा  
 साथ को धुपाया नहीं जा सकता  
 गांधी जी कहते हैं - शूल करना तो पाप  
 है ही शूल को धुपाना भी उससे  
 बड़ा पाप है।

मैं अपनी बेटी की बात के  
 अनुसार उस सोशल मीडिया चैनल के  
 पेपर और रिपब्लिक एज्युकेशन के पेपर को  
 मित्रान करूँगा हो सकता है। मेरी बेटी  
 को फेक प्रश्न भेज कर हगा गया है।

अगर प्रश्न फेक हुए तो उस  
 पर कार्यवाही को अन्याय होगा और  
 यदि सही भी हुए तो बेटी की पहचान  
 मुझ रघुतो हुए कार्यवाही करूँगा क्योंकि  
 उसकी मामूली गल्ती के लिए उस  
 पूरे जीवन को बर्बाद करने जैसी  
 सजा नहीं मिलनी चाहिए।

रक्षा ही पेपर लीक जहाँ  
 हुआ वहाँ से Examp करवाया जायेगा  
 तकरीबन का प्रयोग करेता  
 दुर पेपर लीक की गतिविधियों के  
 प्रति Zero tolerance की रणनीति  
 अपनायेगा।